

अपन माता-पिता के सम्मान करही।

लइका मन प्रभु म अपन माता-पिता के बात
मानव : काबर के इही सही हावय। अपन
बाप-मां के सम्मान; जेन वादा के संग पहिली
आज्ञा हावय; कि ए ह तुँहर संग अच्छा होही, अउ
तू धरती म लंबा जिंदा रहही। इफिसियों 6:1-3



अपन पिता अउ अपन मां के सम्मान कर: ताकि तेरा दिन ओ भूमि म लंबा हो जेन प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे देथे।
निर्गमन 20:12

मोर बेटा प्रभु के ताड़ना ल तुच्छ नइ मानय; न त ओकर सुधार ले थके : जेकर खातिर यहोवा प्रेम करत हावय ओला सुधारत हावय; इहां तक के पिता के रूप म तको बेटा जेमा वो प्रसन्न होथे।
नीतिवचन 3:11-12

जेमा सुलैमान के कहावत घलो सामिल हे। बुद्धिमान बेटा खुशहाल बाप बनाथे : फेर मूर्ख बेटा अपन मां के भारीपन होथे। नीतिवचन 10:1

तुँहर जनम लेवइया अपन पिता ल सुनो, अउ बुढ़िया होए म अपन मां ल तुच्छ नइ मानय।
Proverbs 23:22

लइका मन प्रभु म अपन माता-पिता के बात मानव : काबर के इही सही हावय। अपन बाप-मां के सम्मान; (जेन वादा के संग पहिली आज्ञा हावय;) कि ए ह तुँहर संग अच्छा होही, अउ तू धरती म लंबा जिंदा रइही। इफिसियों 6:1-3

अपन पिता के पूरा मन ले सम्मान करव, अउ अपन मां के दुख ल नइ भूलय। सुरता राखव के तको उंकर जनम नइ होए रिहिस; अउ जउन काम ओमन तुँहर बर करे हे, ओखर प्रतिपूर्ति कइसे कर सकत हे। Ecclesiasticus 7:27-28

Ecclesiasticus 3:1-16

- 1 हे लइका मन ल अपन पिता ल सुनव अउ ओखर बाद करव, ताकि आप सुरक्षित रइही।
- 2 काबर कि प्रभु ह लइका मन उपर पिता के सम्मान देहे, अउ बेटा मन उपर मां के अधिकार के पुष्टि करे हे।
- 3 जेन अपन पिता के सम्मान करत हावय वो अपन पाप के प्रायश्चित करत हावय:
- 4 अउ जेन अपन मां के सम्मान करथे उही ह खजाना बिसाथे।
- 5 जेन अपन पिता के सम्मान करही, ओला अपन लइका के खुशी होही; अउ जब ओमन अपन प्रार्थना करही, त ओला सुने जाही।
- 6 जेन अपन पिता के सम्मान करही, ओकर लंबा उमर होही; अउ जेन भगवान के आज्ञाकारी होही, वो अपन मां के सुकून होही।
- 7 जेन प्रभु ले डरत हावय वो अपन पिता के सम्मान करही, अउ अपन माता-पिता के सेवा करही, जइसे उंकर स्वामी मनके होही।
- 8 अपन बाप-मां ल शब्द अउ कर्म दूनो म सम्मान करय, ताकि उंकर डहर ले तुँहर उपर आशीर्वाद आवे।
- 9 पिता के आशीर्वाद ले लइका के घर स्थापित होवत हावय; फेर मां के श्राप बुनियाद ल जड़ देथे।
- 10 अपन पिता के अनादर म महिमा नइ होवय; काबर के तुँहर पिता के अनादर तुँहर कोनो महिमा नइ हावय।
- 11 काबर कि मनखे के महिमा ओखर पिता के सम्मान ले होथे; अउ अनादर म मां लइका के निंदा हावय।
- 12 मोर बेटा अपन पिता के उमर म मदद कर, अउ जब तक जिंदा हावय तब तक ओला शोक नइ करय।
- 13 अउ यदि ओकर समझ विफल हो जाथे त ओकर संग धैर्य राखय; अउ ओला तुच्छ नइ करय जब तू अपन पूरा ताकत म होही।
- 14 काबर कि तेरा पिता के छुटकारा ल भुलाये नइ जाही: अउ पाप के बजाय तुझे बनाय बर जोड़े जाही।
- 15 तेरा कष्ट के दिन म एला सुरता करे जाही; तुँहर पाप तको पिघल जाही, जइसे उचित गर्म मौसम म बर्फ।
- 16 जेन अपन पिता ल त्याग देथे वो ह निन्दा करइया के रूप म हावय; अउ जेन अपन मां ल क्रोधित करथे ओला श्राप मिलत हावय: ईश्वर के।